Quadrant II – Notes

Programme: Bachelor of Arts (Third Year)

Subject: Hindi

Paper Code: HNC-110

Paper Title: हिंदी व्याकरण

Unit: 02

Module Name: विराम चिह्नों का प्रयोग - भाग 2

Module No: 13

Name of the Presenter: Ms. Vishakha Harmalkar

Transcript

नमस्कार। आप सभी का स्वागत है। 'हिंदी व्याकरण' के अंतर्गत आज हम 'विराम चिह्नों का प्रयोग - भाग 2' इस पर चर्चा करेंगे।

पिछले सत्र में हमने विराम चिह्नों के बारे में जानकारी हासिल की थी। साथ ही साथ मैंने आपको यह भी बताया कि विराम चिह्नों का महत्त्व क्या होता है और उसकी आवश्यकता क्यों होती है। और उसीके साथ हमने केवल पूर्ण विराम, अर्द्धविराम और अल्पविराम इन तीन चिह्नों पर हमने बात की थी।

रूपरेखा - तो आज की कक्षा में हम उप विराम, विस्मयादिबोधक चिह्न, प्रश्नवाचक चिह्न और जो अन्य चिह्न है उसपर बात करेंगे।

अधिगम परिणाम - छात्र विराम चिह्नों से परिचित होंगे और साथ ही साथ छात्र जो है विराम चिह्नों के प्रयोग से भी अवगत होंगे।

सबसे पहले उप विराम। उप विराम को अँग्रेजी में 'Colon' कहा जाता है। तो जहाँ पर वाक्य जो है वह पूरा नहीं होता, बल्कि किसी वस्तु या फिर विषय के बारे में बताया जाता है, वहाँ

अपूर्ण विराम चिह्न का प्रयोग होता है। तो यहाँ पर देखिए वाक्य पूरा नहीं हो रहा है, बल्कि हम क्या करते है? किसी दूसरे वस्तु या फिर विषय के बारे में वहाँ पर बताने लग जाते है। तो जैसे कि -

कृष्ण के अनेक नाम है। यहाँ पर जो वाक्य है वह पूरा नहीं हुआ है। यहाँ पर वाक्य बाकी है। तो

- कृष्ण के अनेक नाम है : मोहन, गोपाल, गिरिधर आदि।

तो इस प्रकार हम देख सकते है कि उप विराम का प्रयोग वहाँ पर होता है जहाँ पर वाक्य पूरा नहीं होता और जहाँ पर हम किसी अन्य विषय के बारे में बताने लग जाते है।

अगला है विस्मयादिबोधक चिह्न (Sign of Interjection)

जैसे कि हर्ष, विवाद, विस्मय, घृणा, आश्चर्य, करुणा, भय इत्यादि का बोध कराने के लिए। यानी बहुत बार हम हमारी खुशी को जाहीर करने के लिए या फिर हमारी घृणा, हमारी ईर्ष्या, यहाँ तक कि हमारे क्रोध को भी जो है हम अभिव्यक्त करने के लिए विस्मयादिबोधक चिह्नों का इस्तेमाल वहाँ पर करते है, जब भी हम लिखते है। जैसे कि -

- वाह! आप यहाँ कैसे पधारे?

तो यहाँ पर हम देख सकते है कि शायद किसी व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति पर व्यक्ति को देखकर एक प्रकार की खुशी और एक प्रकार का आश्चर्य भी हुआ है। इसलिए वह कहता है वाह। उसके बाद विस्मयादिबोधक चिह्न और आगे प्रश्न आ रहा है कि आप यहाँ कैसे पधारे?

अगला है -

- हाय! बेचारा व्यर्थ में मारा गया।

तो कोई बेचारा मर चुका है या किसी की मृत्यु हो चुकी है। तो वहाँ पर हम क्या कर रहे है? हम हमारे दुख को जो है वहाँ पर अभिव्यक्त करने के लिए 'हाय' इस शब्द का इस्तेमाल कर रहे है। तो यहाँ पर 'हाय' इस शब्द के बाद जो है यहाँ पर विस्मयादिबोधक चिह्न आ रहा है। उसके अलावा शाब्बाश!, अरे राम!, हे भगवान! ऐसे बहुत सारे शब्द है जिनके बाद जो है विस्मयादिबोधक चिह्न का इस्तेमाल होता है।

उसीके साथ जब भी हम संबोधनसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते है। जैसे कि -

- मित्रो! अभी मैं जो कहने जा रहा हूँ।

तो 'मित्रो!' तो यहाँ पर शायद कोई व्यक्ति भाषण दे रहा है और वह लोगों को वहाँ पर संबोधित कर रहा है। तो ऐसे में वह 'मित्रो' इस शब्द का इस्तेमाल कर रहा है। तो मित्रो के बाद वहाँ पर विस्मयादिबोधक चिह्न लिखा जाएगा।

अगला है, अतिशयता को प्रकट करने के लिए कभी-कभी दो-तीन विस्मयादिबोधक चिह्नों का प्रयोग। जैसे कि बहुत बार होता क्या है? हमें एक साथ बहुत कुछ जो है वहाँ पर अभिव्यक्त करना होता है। जैसे कि देखिए -

- अरे, वह मर गया! शोक!! महाशोक!!!

हम कहते है ना? अरे! छि! ऐसा नहीं होना चाहिए था या फिर और कुछ। तो बहुत बार होता क्या है? एक साथ बहुत सारी भावनाओं को जो है हम अभिव्यक्त करते है। तो यहाँ पर आप वाक्य देख सकते हो जैसे कि 'अरे, वह मर गया!' तो यहाँ पर विस्मयादिबोधक चिह्न आ गया। 'शोक', वापिस विस्मयादिबोधक चिह्न और अंत में वापिस हम क्या कह रहे है? 'महाशोक' यानी बहुत ज्यादा बुरा हुआ। तो वहाँ पर वापिस से विस्मयादिबोधक चिह्न का इस्तेमाल होता है।

तो यहाँ पर प्रश्नवाचक चिह्न।

तो बहुत बार जब भी हम किसी के साथ कोई बातचीत करते है तो बातचीत होने के बाद अगर आप किसी को प्रश्न पूछते है। तो उस प्रश्न के बाद जो है वहाँ पर प्रश्नवाचक चिह्न का इस्तेमाल होता है। जैसे कि -

- तुम कहाँ जा रहे हो?
- वहाँ क्या रखा है? या फिर
- इतनी सुबह-सुबह तुम कहाँ चल दिए?

तो यहाँ पर प्रश्नवाचक चिह्नों का इस्तेमाल हो रहा है।

कोष्ठक यानी कि 'Bracket'।

तो वाक्य के बीच में आए जो भी शब्द है या फिर जो पद है उसका अर्थ स्पष्ट करने के लिए कोष्ठक का इस्तेमाल होता है।

जैसे कि - उच्चारण, और हमने यहाँ पर कोष्ठक में क्या लिखा है? बोलना। उच्चारण जीभ एवं कण्ठ से होता है। तो उच्चारण का अर्थ बताने के लिए हमने यहाँ पर क्या किया है? कोष्ठक में 'बोलना' लिखा है। अगला - 'लता मंगेशकर भारत की कोकिला हैं।' अब कोकिला यानी मीठा गाने वाली। तो 'कोकिला' इस शब्द का अर्थ बताने के लिए हमने यहाँ पर कोष्ठक का इस्तेमाल किया है।

अगला है योजक चिह्न यानी 'Hyphen'।

तो बहुत बार दो शब्दों में बहुत ही ज्यादा संबंध होता है। तो उस संबंध को स्पष्ट करने के लिए या फिर उसे जोड़कर लिखने के लिए योजक चिह्न का इस्तेमाल होता है। जिसे 'विभाजक-चिह्न' भी कहा जाता है। जैसे-

- जीवन में सुख-दुःख तो चलता ही रहता है। या फिर
- रात-दिन परिश्रम करने पर ही सफलता मिलती है।

तो यहाँ पर हम देख सकते है 'सुख-दुःख' और 'रात-दिन' इन दो शब्दों के बीच हमने योजक चिह्न का इस्तेमाल किया है।

योजक चिह्न का प्रयोग

तो ऐसेमें जिन शब्द या पदों के दोनों खंड प्रधान, मुख्य हो। जैसे कि -

- दाल-रोटी, दही-बड़ा, सीता-राम, फल-फूल।

तो इनके बीच यहाँ पर योजक चिह्न का इस्तेमाल हुआ है।

दो विपरीत अर्थवाले शब्द।

- ऊपर-नीचे, राजा-रानी, रात-दिन, पाप-पुण्य, आकाश-पाताल, स्त्री-पुरुष, माता-पिता, स्वर्ग-नरक।

अगला है अवतरण चिह्न या फिर उद्धरण चिह्न यानी ‘Inverted Comma’।

तो किसी की कही हुई बात को उसी तरह प्रस्तुत करने के लिए अवतरण चिह्न का इस्तेमाल होता है। जैसे कि -

- राम ने कहा, “सत्य बोलना सबसे बड़ा धर्म है।”

तो यह राम द्वारा कहा गया सेंटेंस है, वाक्य है। तो वहाँ पर अवतरण चिह्न का इस्तेमाल हुआ है। अब यह अवतरण चिह्न दो तरीके के होते है। इनके दो रूप है - इकहरा और दुहरा।

जैसे किसी पुस्तक से कोई वाक्य या अवतरण जब हम लेते है और जब उसे हम जैसे का वैसा ही लिखते है तब दुहरे उद्धरण चिह्न का इस्तेमाल होता है। या फिर किसी का महत्त्वपूर्ण कथन है, कहावत है, संधि है। इसको बताने के लिए भी दुहरे उद्धरण चिह्न का ही इस्तेमाल होता है। जैसे कि -

- भारतेन्दु ने कहा था- “देश को राष्ट्रीय साहित्य चाहिए।”

तो आप देख सकते हो स्क्रीन पर, यहाँ पर दुहरे उद्धरण चिह्न का इस्तेमाल हुआ है।

अगला, कोई विशेष शब्द, कोई पद या फिर वाक्य खंड को बताने के लिए। पुस्तक, समाचारपत्र, लेखक का उपनाम, लेख का शीर्षक यह बताने के लिए इकहरे उद्धरण चिह्न का इस्तेमाल होता है। जैसे कि -

- 'निराला' पागल नहीं थे।

‘निराला’ कवि का नाम है। तो यहाँ पर हमने इकहरे उद्धरण चिह्न का इस्तेमाल किया है।

- 'किशोर-भारती' का प्रकाशन हर महीने होता है।

तो यहाँ पर ‘किशोर-भारती’ को जो है यह यहाँ पर मुख्य शब्द है तो यहाँ पर हमने इकहरे उद्धरण चिह्न का इस्तेमाल किया है।

लाघव चिह्न यानी कि ‘Abbreviation sign’

तो किसी बड़े या फिर प्रसिद्ध शब्द को संक्षेप में, इन शॉर्ट ठीक है? संक्षेप में लिखने के लिए उस शब्द का जो पहला अक्षर है केवल वही लिखा जाता है और आगे शून्य लगा दिया जाता

हैं। जैसे कि अगर आपको पंडित लिखना है, तो आप स्क्रीन पर देख सकते हो केवल 'पं' लिखा जाएगा। यानी 'प' पर बिंदु और आगे क्या आयेगा? लाघव चिह्न, शून्य।

- डॉक्टर का केवल शुरुआती जो अक्षर है 'डॉ' आएगा और उसके बाद लाघव-चिह्न।

आदेश चिह्न यानी 'Sign of following'।

तो अगर आपको किसी विषय को एक क्रम से लिखना है तो ऐसे समय में जो है आदेश चिह्न का इस्तेमाल होता है। जैसे कि -

वचन के दो भेद है :- एकवचन, बहुवचन।

अगला है रेखांकन चिह्न यानी कि 'Underline'।

तो वाक्य में जब कोई भी महत्त्वपूर्ण शब्द, पद हो, वाक्य हो उसे आपको रेखांकित यानी अंडरलाईन करना हो। जैसे कि -

- गोदान उपन्यास, प्रेमचंद द्वारा लिखित सर्वश्रेष्ठ कृति है।

तो 'गोदान', यह महत्त्वपूर्ण शब्द है। तो उसके लिए हमने यहाँ पर रेखांकन चिह्न का इस्तेमाल किया हुआ है।

और अंतिम यहाँ पर आता है लोप चिह्न यानी कि 'Mark of Omission'।

तो ऐसेमें बहुत बार हम क्या करते है? अगर हमें कोई जवाब लिखना है या किसी एक वाक्य को वहाँ पर लिखना है तो हम क्या करते है? बहुत बार वाक्य या अनुच्छेद यानी पेराग्राफ़ के जो कुछ अंश है उन्हें छोड़कर लिखते है। जैसे कि -

- गाँधीजी ने कहा, "परीक्षा की घड़ी आ गई है.... (यानी कि लोप चिह्न) हम करेंगे या मरेंगे।"

तो यहाँ पर मैंने क्या किया है? गांधीजी द्वारा कही गयी केवल थोड़ी-सी जो बात है, जो मुख्य बातें है उन्हें मैंने यहाँ पर लिखा है। और बाकी बातें मैंने बीच में छोड़ दी है। वहाँ पर हमने क्या किया? लोप चिह्न का इस्तेमाल किया है।

तो इसप्रकार छात्रों हम कह सकते है कि विराम चिह्नों का इस्तेमाल जो है लेखन में बहुत ज्यादा आवश्यक है। अगर आप किसी भी विराम चिह्न का गलत इस्तेमाल करते हो या किसी भी चिह्न का गलत प्रयोग करोगे तो अर्थ में बहुत बड़ा बदलाव हो सकता है।

संदर्भ सूची

हिंदी वृहद व्याकरणकोश; डॉ॰ के. आर. महिया, डॉ॰ विमलेश शर्मा; ज्ञान वितान प्रकाशन; 2018

धन्यवाद।